महावीरा कृषि समाचार

YEAR 4 | EDITION 10 अक्टूबर, 2026 www.rmphosphates.com

एग्रीकल्चर News:

रबी फसलों की MSP बढ़ी, किसानों को मिल सकती है बेहतर कीमत

रबी विपणन सत्र 2026-27 के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की तुलना 2027-28 के प्रस्तावित/घोषित MSP से की गई है। सभी दरें रुपये प्रति क्विंटल में हैं।

रबी फसल	MSP 2026-27 (₹/क्विंटल)	MSP 2027-28 (₹/क्विंटल)	वृद्धि (₹/ क्विंटल)	वृद्धि (%)
गेहूं (Wheat)	2,585	2,610	25	0.97%
जौ (Barley)	2,150	2,286	136	6.33%
चना (Gram)	5,875	5,958	83	1.41%
मसूर (Lentil)	7,000	7,390	390	5.57%
रेपसीड एवं सरसों	6,200	6,613	413	6.66%
कुसुम (Safflower)	6,540	7,215	675	10.32%

सबसे अधिक MSP वृद्धि: कुसुम — ₹675 प्रति क्विंटल (10.32%)।

दूसरे स्थान पर: सरसों — ₹413 प्रति क्विंटल (6.66%)।

गेहूं में सबसे कम वृद्धि: ₹25 प्रति क्विंटल (0.97%)।



RMPCL
तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412
MAHAVEERA ZYRON

आलू की उन्नत खेती की जानकारी-



उपयुक्त भूमि एवं जलवायु

- आलू की फसल के लिए ठंडा मौसम अच्छा माना जाता है।
- भुरभुरी और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में फसल अच्छी बढ़ती है।
- खेत में पानी जमा न होने दें।
- बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी रखें।

उन्नत किस्मों का चयन

अपने क्षेत्र, मौसम और बाजार की जरूरत को ध्यान में रखकर सही किस्म का चुनाव करें।

खेत की तैयारी

- खेत की अच्छी तरह जुताई करके मिट्टी को भुरभुरा करें।
- खेत को समतल रखें, ताकि सिंचाई का पानी समान रूप से पहुंचे।
- खेत में पानी निकासी की उचित व्यवस्था रखें।
- बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी होनी चाहिए।





बीज एवं बुवाई

- अच्छी गुणवत्ता वाले प्रमाणित और स्वस्थ बीज कंदों का उपयोग करें।
- **बुवाई का समय: अक्टूबर से नवंबर तक।**
- कतार से कतार और पौधे से पौधे की दूरी उचित रखें।
- एकसमान आकार के स्वस्थ बीज कंदों को प्राथमिकता दें।
- बीज को बहुत अधिक गहराई में न लगाएं।

RMPCL आ गया है एकसाथ 6 पोषक तत्वों वाला 6 Nutrition का Sixer महावीरा ज़िरोंन पॉवर+ सभी फसलों के लिए मान्य

बीज उपचार

बुवाई से पहले बीज कंदों का सही उपचार करने से फसल की शुरुआत बेहतर होती है और शुरुआती रोगों से बचाव में मदद मिलती है।

- बुवाई से पहले अनुशंसित फफूंदनाशी से बीज उपचार करें।
- क्षेत्र और फसल की जरूरत के अनुसार जैव उर्वरक का प्रयोग करें।





सिंचाई प्रबंधन

- फसल की जरूरत के अनुसार समय पर सिंचाई करें।
- कंद बनने और बढ़ने के समय खेत में नमी की कमी न होने दें।
- जरूरत से ज्यादा सिंचाई करने से बचें।
- खेत में पानी जमा न होने दें।

खरपतवार नियंत्रण

- फसल की शुरुआती अवस्था में खरपतवार पर खास ध्यान दें।
- समय पर निराई-गुड़ाई करें।
- जरूरत पड़ने पर क्षेत्र में अनुशंसित खरपतवारनाशी का प्रयोग करें।





रोग एवं कीट नियंत्रण

मुख्य रोग

- पछेती झुलसा
- अगेती झुलसा
- ब्लैक स्कर्फ

मुख्य कीट

- माहू
- सफेद मक्खी
- आलू कीट

किसान सलाह: खेत में फसल को नियमित रूप से देखते रहें। कीट या रोग के शुरुआती लक्षण मिलते ही समय पर उचित प्रबंधन करें।

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

आलू में अच्छी बढ़वार और बेहतर कंद विकास के लिए **नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश के साथ सल्फर व जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्वों** का संतुलित उपयोग करें।

आलू की फसल में पोषक तत्वों का प्रबंधन
(अनुशंसित उर्वरक की मात्रा - KG 48:40:40)

मिट्टी तैयारी के समय	Solivera 400-500 Kg							
अवधि	Mahaveera Ziron Power Plus	MOP	Urea	Symtron	AMITRON-Z (Zinc + Amino Acid)	Baleco NPK (11:11:08)	Ferochi EDTA Fe (17%)	CALNIM CN Fortified with Mgs04
	KG	KG	KG	KG	ML	ML	GM	ML
बुवाई के समय	250	66	35	4	0	0	750	0
25-30 दिन बाद में	0	0	35	0	0	200	0	0
50-55 दिन बाद में	0	0	35	0	250	0	0	200
कुल मात्रा KG/GM/ML	250	66	105	4	250	200	750	200
जल घुलनशील उर्वरक 4-5 ग्राम /लीटर पानी में	45-50 दिन की अवधि मे 12:61:00 का 50-55 दिन की अवधि में CN+B + 00:52:34 का तथा 80-85 दिन की अवधि में 13.00.45/00.00.50 का एक छिड़काव अवश्य करे							

कटाई एवं भंडारण

- जब पौधों की पत्तियां और तने सूखने लगें, तब फसल की खुदाई करें।
- खुदाई के बाद कंदों को अच्छी तरह सुखाएं।
- कटे, चोटिल और खराब कंदों को अलग कर दें।
- साफ, सूखी और उचित वेंटिलेशन वाली जगह पर भंडारण करें।

आलू की खुदाई सही समय पर करना जरूरी है। बहुत जल्दी खुदाई करने पर कंदों का छिलका कमजोर रह सकता है, जिससे खुदाई और भंडारण के दौरान कंदों को नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है।

औसतन पैदावार

प्रति एकड़ 80–120 क्विंटल तक उपज।

महावीरा एग्री एड्वाइज़री

आलू में बीज उपचार क्यों जरूरी है?

लक्षण:

- बीज कंदों में सड़न या रोग के लक्षण दिखाई दे सकते हैं।
- खेत में पौधों का उभरना एक जैसा नहीं रहता।
- कुछ जगहों पर पौधे कम दिखाई देते है।
- शुरुआत में पौधों की बढ़वार कमजोर रह सकती है।

उपाय:

- हमेशा स्वस्थ और रोगमुक्त बीज कंद चुनें।
- प्रमाणित और अच्छी गुणवत्ता वाले बीज को प्राथमिकता दें।
- बुवाई से पहले अनुशंसित बीज उपचार करें।
- सड़े या रोगग्रस्त कंदों को बुवाई में इस्तेमाल न करें।





आलू के कंद छोटे या असमान क्यों रह जाते हैं?

लक्षण:

- कंदों का आकार छोटा रह जाता है।
- एक ही खेत में कंदों का आकार अलग-अलग दिखाई देता है।
- कंदों का अपेक्षित वजन नहीं बन पाता।
- कंदों की गुणवत्ता पर भी असर पड़ सकता है।

उपाय:

- कंद बनने के समय खेत में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- जरूरत के अनुसार समय पर सिंचाई करें।
- फसल को संतुलित पोषण दें
- सही समय पर मिट्टी चढ़ाएं।
- खेत में पानी जमा न होने दें।

आलू में पछेती झुलसा रोग की पहचान और बचाव कैसे करें?

लक्षण:

- पत्तियों पर भूरे या काले धब्बे दिखाई देने लगते हैं।
- धब्बे धीरे-धीरे बढ़ने लगते हैं।
- अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सूखने लगती हैं।
- रोग बढ़ने पर कंदों की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है।

उपाय:

- खेत का नियमित निरीक्षण करते रहें।
- अनावश्यक नमी और पानी के जमाव से बचें।
- संक्रमित पौधों और पत्तियों को हटाकर नष्ट करें।
- अनुकूल मौसम में रोग की निगरानी बढ़ा दें।
- जरूरत पड़ने पर कृषि विशेषज्ञ की सलाह से अनुशंसित फफूंदनाशी का प्रयोग करें।





प्याज की नर्सरी कमजोर क्यों पड़ जाती है?

लक्षण:

- पौधे की बढ़वार धीमी हो जाती है।
- पौधे पतले और कमजोर दिखाई देते हैं।
- पत्तियों का रंग हल्का पड़ सकता है।
- अधिक समस्या होने पर पौध सूखने लगती है।

उपाय:

- स्वस्थ और अच्छी गुणवत्ता वाले बीज का उपयोग करें।
- नर्सरी में पानी की उचित निकासी रखें।
- जरूरत के अनुसार ही सिंचाई करें।
- नर्सरी में ज्यादा नमी न रहने दें।
- बुवाई से पहले अनुशंसित बीज उपचार करें।

RMPCL
महावीरा ले कर आया है अपने किसान भाइयों के लिए
उत्तम जल घुलनशील उर्वरक उम्दा क्वालिटी के साथ
MAHAVEERA ZITRON



प्याज की नर्सरी में पौधे गिरने से कैसे बचाएं?

लक्षण:

- छोटे पौधे तने के पास से कमजोर होकर गिरने लगते हैं।
- पौधे का निचला हिस्सा कमजोर दिखाई देता है।
- प्रभावित पौधे धीरे-धीरे सूखने लगते हैं।
- नर्सरी में पौधों की संख्या कम होने लगती है।

उपाय:

- नर्सरी में पानी जमा न होने दें।
- बहुत ज्यादा घनी बुवाई से बचें।
- स्वस्थ और रोगमुक्त बीज का उपयोग करें।
- नर्सरी की नियमित निगरानी करते रहें।
- समस्या दिखाई देने पर कृषि विशेषज्ञ की सलाह से उचित नियंत्रण उपाय अपनाएं।



RMPCL
आ गया है एकसाथ 6 पोषक तत्वों वाला
6 Nutrition का Sixer
महावीरा ज़िरोंन पॉवर+ सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZTRON

महावीरा यशोगाथा

गुरुशरन सिंह
जंदपुर, मोहाली
फसल- आलू
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन



मैं अभी तक DAP का उपयोग करता था, लेकिन पहली बार मैंने अपनी आलू की फसल में महावीरा ज़िरोंन का इस्तेमाल किया और मुझे बहुत अच्छे परिणाम देखने को मिले। मुझे आलू का छिलका भी चमकदार और आकर्षक दिखाई दिया। जिसे देखकर मैं बहुत खुश हूँ।

इसके बाद मैंने मक्का और प्याज की फसल में भी महावीरा ज़िरोंन का उपयोग किया, जहाँ मुझे अच्छे परिणाम देखने को मिले।

मैं अपने सभी किसान भाइयों से कहना चाहूँगा कि महावीरा ज़िरोंन का एक बार इस्तेमाल जरूर करें और अपनी फसल के बेहतर उत्पादन का लाभ उठाएँ।

अश्विन पाटीदार
बड़नगर, उज्जैन
फसल- आलू
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन



मैं कई वर्षों से अपनी आलू और लहसुन जैसी कंदधारी फसलों में महावीरा ज़िरोंन का उपयोग कर रहा हूँ। इसके इस्तेमाल से मुझे फसल में अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। आलू का साइज़ अच्छा होता है और उत्पादन में भी बेहतर परिणाम मिलते हैं।

महावीरा ज़िरोंन का उपयोग आप DAP के विकल्प के रूप में कर सकते हैं। मुझे इसके साथ फसल में संतुलित पोषण देने का अच्छा अनुभव रहा है।

मैं अपने सभी किसान भाइयों से यही कहना चाहूँगा कि बेहतर फसल और अच्छे परिणामों के लिए अपनी फसल में महावीरा ज़िरोंन का उपयोग ज़रूर करके देखें।



RMPCL
तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412